

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केंद्रीय जल आयोग
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय



Government of India
Ministry of Jal Shakti
Dept. of Water Resources, RD&GR
Central Water Commission
Water System Engineering Directorate

विषय: समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतीकरण-25-दिसंबर-2020

जल संसाधन विकास एवं सम्बद्ध विषयों से संबन्धित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है. इसकी साफ्ट कापी केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी.

संलग्नक: उपरोक्त

(-/sd)

सहायक निदेशक

उप निदेशक(-/sd)

निदेशक (-/sd)

सेवा में

अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

जानकारी हेतु: सभी संबन्धित केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट <http://cwc.gov.in/news-clipping> परदेखें



The Tribune 25-December-2020

Ladakh's Tso Kar wetland complex 42nd Ramsar site

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, DECEMBER 24

One more wetland in India has been added to the list of recognised sites of international importance under the treaty of Ramsar Convention, taking the number of such wetlands in the country to 42, the highest in South Asia.

The latest site to be added to the list is a high-altitude wetland complex of two connected lakes, Startsapuk Tso and Tso Kar, in Ladakh. Union Environment Prakash Javadekar said, "Happy to share that high-altitude wetland complex in Changthang region of



ECOLOGY PRESERVATION

- The Ramsar Convention, signed in 1971 in the Iranian city of Ramsar, is one of the oldest accords for preserving wetlands.
- Wetlands provide a range of important resources and ecosystem services such as food, water and fibre.

Ladakh is recognised as wetland of international importance. The complex is a notable example of two connected lakes, the freshwater

Startsapuk Tso and the hypersaline Tso Kar. Now, India has 42 Ramsar sites."

Last month, two wetlands — the Lonar lake in Maharashtra

and Sur Sarovar, also known as Keetham lake, in Agra — were added to the list of Ramsar sites. The Tso Kar Basin is a high-altitude wetland complex, consisting of two principal waterbodies, Startsapuk Tso, a freshwater lake of about 438 hectares to the south, and Tso Kar itself, a hyper-saline lake of 1,800 hectares to the north, situated in the Changthang region of Ladakh.

It is called Tso Kar, meaning white lake, because of the white salt efflorescence found on the margins due to the evaporation of highly saline water, according to a statement issued by the ministry.

Dainik Jagran- 25-December-2020

पर्यावरण

एलएसी से सटा लद्दाख का चांगथांग देश में अंतरराष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड की सूची में शामिल हो गया। इसके साथ ही भारत दक्षिण एशिया का पहला ऐसा देश हो गया, जहां के 42 वेटलैंड अंतरराष्ट्रीय महत्व रखते हैं।

पक्षियों से चहकेगा लाइन ऑफ कंट्रोल से सटा चांगथांग वेटलैंड

विशेष रिपोर्ट, जम्मू

वास्तविक निर्वन्त्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ तनाव के बीच लद्दाख के चांगथांग इलाके को पक्षियों की चहकहाहट से चहकाने की तैयारी है। बर्फीले रेगिस्तान लद्दाख में देश-विदेश से आने वाले परीदों का शरण स्थल चांगथांग वेटलैंड अब क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। लद्दाख के सबसे ऊंचे क़रीब साढ़े चौदह हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित चांगथांग वेटलैंड को समसं प्रस्ताव संधि के तहत हाल में देश में अंतरराष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड की सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में जगह मिलने से भारत दक्षिण एशिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जहां के 42 वेटलैंड अंतरराष्ट्रीय महत्व रखते हैं।

एलएसी से सटे चांगथांग इलाके में छोटी-बड़ी 11 झीलों के निकट 11 वेटलैंड हैं। इन वेटलैंड में सबसे अहम स्टार्टस्युक त्सो व त्सो कारझोलों के मिलन से बना एक वेटलैंड है। स्टार्टस्युक 438 हेक्टेयर में फैली मीठे पानी की झील है और त्सो कार 1800 हेक्टेयर में फैली खारे पानी की झील है, जिसके किनारे नमक सूखने से सफेद दिखते हैं। इसलिए इसे सफेद झील भी कहा जाता है। ऊंचे पहाड़ों पर जमे ग्लेशियर की बर्फ पिघलकर



स्टार्टस्युक त्सो व त्सो कार झीलों के मिलन से बने लद्दाख के इस चांगथांग वेटलैंड की दो तस्वीरें केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने ट्विटर पर शेयर की हैं।



इंटरनेट मीडिया

इस वेटलैंड को सींचती है।

38 प्रजातियों का शरण स्थल : लेह के न्यूमा ब्लॉक के चांगथांग इलाके का यह वेटलैंड देश-विदेश से यहां आने वाले पक्षियों की 38 प्रजातियों का शरण स्थल है। परीदों के आगमन के हिसाब से त्सो कार झील की तलहटी ए-1 श्रेणी में आती है। यह ब्लैक नेक ब्रेन का प्रजनन क्षेत्र भी है। यहां आने वाले परीदों में ग्रेट चेस्टेड ग्रेव, बारहेड गोज, रुडी शेलडक, ब्राउन हेडेड गुल्ल, लेसर सैंड प्लोवर मुख्य हैं। इन पक्षियों की

कुछ प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा भी मंडरा रहा है। ऐसे में वेटलैंड को अंतरराष्ट्रीय महत्व दिए जाने से इसे बेहतर तरीके से बचाया जा सकेगा।

राष्ट्रियों से जानवरों ने भी इस वेटलैंड को बनाया है घर : लद्दाख जैसे शुष्क इलाके में स्थित इस वेटलैंड में पानी की मौजूदगी से कई प्रकार के जानवरों ने भी इसे सदियों से अपना घर बनाया है। ऐसे में वर्ष 1987 में चांगथांग में वाइल्ड लाइफ सेंचुरी स्थापित की गई थी। इस इलाके से गुजरने वाली सिंधु नदी भी

खूबसूरती को चार चांद लगाती है।

पर्यावरण मंत्री ने खुशी जताई : केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने चांगथांग में स्थित वेटलैंड को देश में अंतरराष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड की सूची में स्थान मिलने पर खुशी जताई है। केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि देश का एक और वेटलैंड अंतरराष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड की सूची में शामिल हो गया है। चांगथांग वेटलैंड को नई पहचान मिलना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

लद्दाखी भी उत्साहित : लद्दाख अटानमस हिल डेवलपमेंट काउंसिल के चीफ एग्जीक्यूटिव काउंसिलर तशी ग्वाल्सन ने इस उपलब्धि पर चांगथांग के लोगों को बधाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराज्यपाल आरके माथुर, सांसद जामयांग सेङक्षरग नामग्याल का भी अभिनंदन किया है। वहीं, न्यूमा से लेह हिल काउंसिल के सदस्य इशे स्पलजांग का कहना है कि चांगथांग वेटलैंड अंतरराष्ट्रीय स्तर का वेटलैंड घोषित होना बड़ी उपलब्धि है।

वेटलैंड की खासियत

चांगथांग इलाके में छोटी-बड़ी 11 झीलों के निकट 11 वेटलैंड हैं।

मीठे और खारे पानी की दो झीलों के बीच बना है यह वेटलैंड

हर साल देश-विदेश से हजारों किलोमीटर सफर तय कर आते हैं पक्षी

साढ़े चौदह हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है लेह का चांगथांग इलाका

यह क्षेत्र एलएसी से सटा है और यहां अधिकतर चरवाहे बसते हैं

जो जिला टनल को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल बनाने की तैयारी

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में इस समय पर्यटन को बढ़ावा देने की मुहिम जारी है। ऐसे में चांगथांग वेटलैंड देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करेगा। इसके अलावा लद्दाख को कश्मीर से जोड़ने वाले जो जिला टनल के पास विश्व स्तरीय टूरिस्ट स्पोर्ट भी बनाने की तैयारी है। यहां पर्यटक जो जिला की ढलानों पर स्कीइंग कर सकेंगे। लेह व कारगिल के दूरदराज इलाकों में हेलीकाप्टरों से पर्यटकों को पहुंचाने के लिए 36 नाप हेलीपैड बनाने का कार्य भी जारी है।